सत्यमेव जयते

भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

जीतन राम मांझी
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

शोभा करांदलाजे
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

संदेश

हिंदी अपनी सहजता, शब्द–संपदा और अन्य भाषा के शब्दों को अपनाने के प्रति उदारता के कारण आज बहुत समृद्ध और लोकप्रिय भाषा है। विश्व मंच पर माननीय प्रधानमंत्री जी के हिंदी में संबोधन से भी हाल के वर्षों में हिंदी की ओर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित हुआ है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी गरिमा बढ़ी है। माननीय गृहमंत्री जी भी सार्वजनिक मंचों पर हिंदी में ही अपनी बात रखते हैं जिससे हिंदी का गौरव बढ़ा है और इसके प्रति अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है।

हर भाषा एक खास तरह की सांस्कृतिक पहचान लिए होती है। आज़ादी ने हमें अपनी भाषा को स्थापित करने का अवसर भी दिया है। इसी को ध्यान में रखकर वर्ष 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया था जिसकी स्मृति में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। ख़ासकर हाल के वर्षों में, सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ा है। प्रसन्नता का विषय है कि एमएसएमई मंत्रालय और इसके अधीनस्थ कार्यालयों में भी हिंदी में कामकाज को बढ़ावा मिल रहा है जिसकी प्रशंसा संसदीय राजभाषा समिति ने भी की है।

माननीय प्रधानमंत्री जी का यह कथन महत्वपूर्ण है कि हमारी भाषाएं जितनी समृद्ध होंगी, हमारी ज्ञान प्रणालियां उतनी ही मज़बूत होंगी। भाषा के रूप में हिंदी भी हमारी वैश्विक ताक़त है; हमें इस पर गर्व होना चाहिए और इसे गति प्रदान करनी चाहिए। स्वयं एमएसएमई मंत्रालय अपने उद्यमियों के साथ संवाद में हिंदी को प्राथमिकता दे रहा है। ई–टूल्स ने दफ़्तरों में हिंदी में काम करना आसान बना दिया है। ऐसे में, यह हम सबकी सामूहिक आकांक्षा होनी चाहिए कि हम भी सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग के अपने दायित्व का निर्वाह करें और अन्य के लिए प्रेरणा–स्रोत बनें।

जय हिंद, जय हिंदी।

जीतन राम मांझी
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

शोभा करांदलाजे
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

File No. ई-11011/01/2023-हिंदी-Part(1) (Computer No. 4025439)
Generated from eOffice by KUMAR RADHA RAMAN, DD(KRR)-Hindi Section, DEPUTY DIRECTOR, MSME1 on 12/09/2025 03:03 pm